

06/5/24

पत्रावली चेवा हरी वरुलाय फरीकन उप०।
 वकीलू प्रावीरु अ प्रावीरुणी की नामिल पत्रा
 करन हनु यथान अवसरु दिखु लु युका हनु
 लेकिन यथान अवसरु दिथ जान के वानपूह
 श्री आलदिनाक तक नामिल की रशीरु चेवा
 वही की कता प्रावीरु अ अवसरु अ नगनि आर
 212 राजस्वान कारनकारी अ विविध काननि
 ओहरा उ विचम ड के तदुन शारिल किया जाना
 ही पत्रावली फेराला सुभार होकर नभराले कम
 होकर ही खिल हफतर का

W
 2/5